an>

Title: Need to declare 18th December, the birthday of Guru Ghasi Das, the founder of the Satnami Community in Chhattisgarh, as National Holiday.

श्री लखन लाल साहू (बिलासपुर): अध्यक्ष महोदया, हमारे देश में संत, महात्माओं और महापुरुषÂ◌ा◌ा◌ो की एक लम्बी शृंखला रही है। इन्हीं महापुरुÂषों के मार्गदर्शन में हम लोग आज चल रहे हैं। छत्तीसगढ़ राज्य में एक ऐसे संत का जन्म हुआ जिन्होंने मनखे-मनखे एक बरोबर यानी समरसता मूलक समाज की स्थापना के लिए काम किया। उनका जन्म ग्राम गिरोहिदपुरी में 18 दिसम्बर, 1756 को हुआ था। इन्होंने सतनाम आंदोलन चलाकर समाज के दलित, पीड़ित और उपेक्षित वर्ग के लोगों को समाज की मुख्यधारा लाकर सम्मान के साथ जीवन जीने का अवसर दिया।

महोदया, छत्तीसगढ़ सरकार ने उनके इन्हीं प्रयासों के कारण, जिन पर आज हम सब चल रहे हैं, सबसे ऊंचा कुतुब मीनार से भी ऊंचा जैत स्तम्भ का निर्माण कराया गया है। जिसके लिए करीब 55 करोड़ रुपये छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा खर्च किया गया है। साथ ही, उस धाम को विकसित करने के लिए जहां धार्मिक और आध्यात्मिक आयोजन होते हैं, उसको विकसित करने के लिए अरबों रुपये छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा खर्च किया गया है। मेरा निवेदन है कि सतनामी समाज के लोग केवल छत्तीसगढ़ ही नहीं, बल्कि मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, असम और विदेश में भी बहुतायत में रहते हैं। गुरू घासीदास जी का जन्म 18 दिसम्बर को हुआ था और छत्तीसगढ़ सरकार ने 18 दिसम्बर को शासकीय अवकाश घोÂ◌िषत किया है। मैं आपके माध्यम से सरकार से आग्रह करूंगा कि उनके सम्मान को ध्यान में रखते हुए 18 दिसम्बर को राष्ट्रीय अवकाश घोÂ◌िषत किया जाए ताकि हम लोग देश और विदेश में उनके ज्ञान को प्रचारित और प्रसारित कर सकें। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष :

श्री शरद त्रिपाठी और

श्री भैरों प्रसाद मिश्र को श्री लखन लाल साहू द्वारा उठाए गए विÂषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।